भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2240

जिसका उत्तर 12.02.2026 को दिया जाना है

बारिश के कारण सड़कों, पुलों और एक्सप्रेसवे को नुकसान

2240. श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:

श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:

डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:

श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के निकट देश के विभिन्न भागों में वर्षा के कारण नवनिर्मित सड़कों, पुलों और एक्सप्रेसवे को हुए नुकसान की हाल की घटनाओं का कोई आंकड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश में, विशेषकर महाराष्ट्र, संघ राज्यक्षेत्र दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव तथा अन्य राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण में रिपोर्ट की गई ऐसी विफलताओं की परियोजना और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी संख्या है तथा इन विफलताओं के चिह्नित कारण क्या हैं;

(ग) क्या उक्त विफलताओं के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों या एजेंसियों के विरुद्ध काली सूची में डालने या जुर्माना लगाने सहित कोई कार्रवाई की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश में, विशेषकर दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्र में भविष्य के हाईवे प्रोजेक्ट्स में बेहतर निर्माण गुणवत्ता, ड्रेनेज डिज़ाइन और जलवायु अनुकूलन सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव के लिए उत्तरदायी है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान वर्षा के कारण नए निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों/ राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे, जिनमें संरचनाएं (जैसे पुल आदि) शामिल हैं, में बड़े नुकसान की सूचना मिली है, जिसकी राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)-वार जानकारी और उस पर की गई कार्रवाई **अनुलग्नक** में दी गई है।

(घ) यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं कि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव संघ राज्य क्षेत्रों सहित राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का निर्माण भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) विनिर्देशों और कोड में निर्दिष्ट निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुसार किया जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राजमार्ग निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन किया जा रहा

है, साइट पर कार्यों की दिन-प्रतिदिन की निगरानी के लिए निष्पादक एजेंसियों द्वारा परामर्शदाता [प्राधिकरण के अभियंता (एई)/ स्वतंत्र अभियंता (आईई)] की नियुक्ति की जाती है। निष्पादन एजेंसियों के अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संविदाकार द्वारा किए गए कार्य की गुणवत्ता निर्धारित आवश्यकताओं के अनुरूप है।

यदि कोई कमियां पाई जाती हैं, तो उन्हें रियायतग्राहियों/ संविदाकारों के ध्यान में लाया जाता है ताकि संविदा/ रियायत समझौते की तकनीकी अनुसूचियों में निर्धारित के अनुसार या निष्पादन एजेंसी/ एई/ आईई द्वारा तय की गई उचित अवधि के भीतर आवश्यक सुधारात्मक/ उपचारात्मक कार्रवाई की जा सके।

सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोबाइल आधारित एप्लिकेशन के माध्यम से एनएच परियोजनाओं में दोष सुधार सहित गुणवत्ता की निगरानी शुरू की है। यह आंतरिक हितधारकों (फील्ड अधिकारियों/ अभियंताओं/ संविदाकारों/ रियायतग्राहियों) द्वारा सीधे साइट से दैनिक और मासिक दोषों की डिजिटल रिपोर्टिंग, निरीक्षण के लिए जियो-टैग की गई और समय-अंकित तस्वीरों की प्रस्तुति और परीक्षण परिणामों के डिजिटल अपलोडिंग के माध्यम से कुशल राजमार्ग परियोजना प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है।

सरकार ने एनएच के कार्य के कार्यान्वयन में गुणवत्ता नियंत्रण प्रणालियों में सुधार के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त पहल की है, जिनमें से कुछ नीचे दिए गए हैं: -

i. कार्य शुरू होने से पहले नेटवर्क सर्वेक्षण वाहन (एनएसवी) के माध्यम से सड़क की स्थिति का अनिवार्य मूल्यांकन, पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने से पहले और उसके पश्चात कार्य पूरा होने के छह महीने के नियमित अंतराल पर किया जाता है, जिससे (क) रियायत अवधि/ डीएलपी के दौरान रखरखाव सुनिश्चित करने और (ख) एनएच को यातायात योग्य स्थिति में बनाए रखने के लिए रखरखाव की अपेक्षाओं को प्राथमिकता देने के लिए नियमित अंतराल पर एनएच के गुणवत्ता मूल्यांकन को सक्षम किया जा सके। सड़क की स्थिति के आकलन के लिए एनएसवी प्रणाली को संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) के दौरान संविदात्मक प्रावधानों को लागू करने के लिए विश्लेषण (एनालिटिक्स) का उपयोग करके और भी बेहतर बनाया गया है;
ii. समय-समय पर चल रहे एनएच के निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता के आवधिक मूल्यांकन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/ मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के साथ एकीकृत ड्रोन एनालिटिक्स मॉनिटरिंग सिस्टम (डीएएमएस) में ड्रोन सर्वेक्षण से एकत्र की गई उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजरी का विश्लेषण;
iii. परियोजना कार्यान्वयन चरणों के दौरान समय-समय पर कार्यों के समग्र अवस्था और गुणवत्ता के नैदानिक आकलन के लिए चार राज्यों, अर्थात् गुजरात, राजस्थान, ओडिशा और कर्नाटक में पायलट आधार पर गैर-विनाशकारी परीक्षण उपकरण से लैस मोबाइल गुणवत्ता

नियंत्रण वैन (एमक्यूसीवी) की तैनाती की गई है। इस पहल को कुछ और राज्यों में लागू करने का निर्णय लिया गया है

iv. मामले दर मामले आधार पर एनएच कार्यों के स्वतंत्र गुणवत्ता लेखा परीक्षा (ऑडिट) के लिए तृतीय पक्ष गुणवत्ता लेखा परीक्षकों की तैनाती

v. एनएच परियोजनाओं में स्वचालित और सुबोध/ मशीन-सहायता प्राप्त निर्माण (एआई-एमसी) को अपनाना।

सभी एनएच विकास/ उन्नयन परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के दौरान वर्षा के पहलू, उच्च बाढ़ स्तर, जलवायु, भूभाग का प्रकार, मिट्टी की श्रेणी आदि को अनिवार्य रूप से ध्यान में रखा जाता है। तदनुसार, सड़क के किनारे लाइन वाले/ बिना लाइन वाले नालों, क्रॉस ड्रेनेज संरचनाएं जैसे कि कल्वर्ट, प्राकृतिक धाराओं/ जल निकासी आदि पर छोटे और बड़े पुल का निर्माण संविदाकार/ रियायतग्राही द्वारा मानक विनिर्देशों और भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) कोड के अनुसार परियोजना के लिए अनुबंध के दायरे के अनुसार किए जाते हैं।

अनुलग्नक-I

"बारिश के कारण सड़कों, पुलों और एक्सप्रेसवे को नुकसान" के संबंध में श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे, श्री निलेश ज्ञानदेव लंके, डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे और श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर द्वारा पूछे गए दिनांक 12.02.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2240 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कृत कार्रवाई सहित वर्षा के कारण नए निर्मित एनएच/ राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर प्रमुख कमियों/ नुकसानों, जिसमें उन पर संरचनाएं (जैसे पुल आदि) शामिल हैं का राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण:-

राज्य	क्र. सं.	परियोजना/खंड का नाम	प्रमुख क्षति/त्रुटियों का विवरण	कृत कार्रवाई
गुजरात	1	सांचोर-संतालपुर पैकेज-4 (एनएच-754ए)	जून 2025 में हुई बारिश के बाद सड़कों पर गड्ढे, दरारें और सतह पर विकृति/क्षति देखी गई; कुछ स्थानों पर गंभीर गड्ढे बन गए थे।	संविदाकार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। विशेषज्ञ दल की रिपोर्ट के आधार पर, संविदाकार को क्षतिग्रस्त स्थान की मरम्मत का निर्देश दिया गया है। मरम्मत कार्य जारी है।
हिमाचल प्रदेश	2	किरतपुर-मनाली खंड (एनएच सं. 205, 154, 03)	15.165 किमी क्षतिग्रस्त	कुल्लू-मनाली को अस्थायी रूप से जोड़ दिया गया है; यातायात दो लेन में चल रहा है; मनाली बाईपास का संपर्क बहाल हो गया है। 9 स्थानों के स्थायी जीर्णोद्धार के लिए बोलियां प्राप्त हो चुकी हैं और अन्य स्थानों के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं।
	3	परवानो-सोलन-शिमला खंड (एनएच-5)	0.68 किमी क्षतिग्रस्त	भूस्खलन से प्रभावित सभी स्थानों से मलबा हटा दिया गया है और यातायात सुचारू रूप से चल रहा है।
	4	शिमला-मटौर खंड (एनएच सं. 205, 103,	2.595 किमी क्षतिग्रस्त	अस्थायी मरम्मत का कार्य पूर्ण हो गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना/खंड का नाम	प्रमुख क्षति/त्रुटियों का विवरण	कृत कार्रवाई
		03, 503)		2 स्थानों को छोड़कर स्थायी मरम्मत का कार्य पूर्ण हो गया है।
	5	पठानकोट-मंडी खंड (एनएच-154)	2.165 किमी क्षतिग्रस्त	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गए हैं। स्थायी जीर्णोद्धार कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	6	बानीखेत - चंबा - भरमौर (एनएच-154ए)	13.5 किमी क्षतिग्रस्त	यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी है।
	7	सैंज - लूहरी - औट (एनएच-305)	21.38 किमी क्षतिग्रस्त	यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी है।
	8	थियोग - हटकोटी (एनएच-705)	9.35 किमी क्षतिग्रस्त	यातायात सुचारू रूप से चलता है।
	9	शिमला-रामपुर-वांगटू-कौरिक (एनएच-5)	38.75 किमी क्षतिग्रस्त	यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी है।
	10	घोंघा - हटकोटी (एनएच-707)	3.16 किमी क्षतिग्रस्त	यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी है।
	11	मैक्लोडगंज - धर्मशाला (एनएच-503)	1.56 किमी क्षतिग्रस्त	यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी है।
	12	बंखंडी - भोटा (एनएच-503ए)	0.23 किमी क्षतिग्रस्त	यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी है।
	13	हमीरपुर-करनोहल-कलवाहन-मंडी (एनएच-3)	11.08 किमी क्षतिग्रस्त	यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी है।
जम्मू और कश्मीर	14	डोमेल-कटरा-रियासी-भामला रोड (एनएच-144)	भूस्खलन, सड़कों का धंसना और टूटना, पुलियों को नुकसान, सुरक्षा दीवारों को नुकसान	अस्थायी मरम्मत कार्य पूर्ण; यातायात संचालन बहाल।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना/खंड का नाम	प्रमुख क्षति/त्रुटियों का विवरण	कृत कार्रवाई
	15	अखनूर-पूंछ रोड (एनएच-144ए)	सड़क का धंसना, सुरक्षा दीवारों, पुलियों और नालियों को नुकसान	अस्थायी मरम्मत कार्य पूर्ण; यातायात संचालन बहाल।
	16	चेनानी-सुधमहादेव रोड (एनएच-244)	100 मीटर सड़क बह गई, जिससे पहाड़ी की ढलान काटकर बनाई गई 220 मीटर की डायवर्जन रोड भी प्रभावित हुई। 2.066 किलोमीटर में ब्रेस्ट वाल, नालियां और तटबंध क्षतिग्रस्त हो गए।	अस्थायी मरम्मत कार्य पूर्ण हो गए हैं; यातायात सुचारू रूप से चलने लगा है। स्थायी मरम्मत कार्य जारी है।
	17	बटोटे से थाथरी खंड (एनएच-244)	व्यापक भूस्खलन के कारण, रिटेनिंग वॉल और कैरिज वे क्षतिग्रस्त हो गए।	अस्थायी मरम्मत कार्य पूर्ण हो गए हैं; यातायात सुचारू रूप से चलने लगा है। स्थायी मरम्मत कार्य जारी है।
	18	थथरी-द्रबशाला-चत्रू खंड (एनएच-244)	व्यापक भूस्खलन के कारण, रिटेनिंग वॉल, कैरिज वे और बॉक्स कल्वरट क्षतिग्रस्त हो गए हैं।	अस्थायी मरम्मत कार्य पूर्ण हो गए हैं; यातायात सुचारू रूप से चलने लगा है। स्थायी मरम्मत कार्य जारी है।
	19	चटरू-सिंथनटॉप- वेलू खंड (एनएच-244)	व्यापक भूस्खलन के कारण, सुरक्षा कार्य/सड़क की सतह क्षतिग्रस्त हो गई है।	स्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गया है।
	20	गोहा-खेल्लानी सड़क (एनएच-244)	व्यापक भूस्खलन के कारण, रिटेनिंग वॉल और कैरिज वे क्षतिग्रस्त हो गए।	अस्थायी मरम्मत कार्य पूर्ण हो गए हैं; यातायात सुचारू रूप से चलने लगा है। स्थायी मरम्मत कार्य जारी है।
	21	पठानकोट - जम्मू खंड (एनएच-44)	(i) दो खंभों के धंसने के कारण आरएचएस के दो लेन वाले देवक पुल के तीन हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। (ii) रावी नदी पर बने पुल के आधार और	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गए हैं; स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी हैं।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना/खंड का नाम	प्रमुख क्षति/त्रुटियों का विवरण	कृत कार्रवाई
			दाहिनी ओर के पुल को नुकसान पहुंचा है। (iii) खदेरू में बाईं ओर स्थित 2 लेन पुल के तीन स्पैन को नुकसान। (iv) सफाई और पुलों के एप्रन/फर्श की सुरक्षा में क्षति।	
	22	जम्मू - उधमपुर खंड (एनएच-44)	बत्रा हॉस्पिटल, सिधरा, नगरोटा, बन्न, झज्जर कोटली और संगूर में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गए हैं; स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी हैं।
	23	उधमपुर - चेनानी खंड (एनएच-44)	थारद में पुल के आधार और स्पैन को नुकसान पहुंचा। बलिया नाले में बनी आरसीसी दीवार और सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गए हैं; स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी हैं।
	24	नसरी- रामबन खंड (एनएच-44)	सुरंग का प्रवेश द्वार क्षतिग्रस्त है और कीचड़ से अवरुद्ध है।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गए हैं; स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी हैं।
	25	रामबन-बनिहाल खंड (एनएच-44)	घाटी की ओर स्थित निरोधक दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है।	स्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गया है।
केरल	26	एनएच-66 का नीलेश्वरम-थालिपरंभा खंड	कटाव वाले हिस्से में असुरक्षित मिट्टी खिसकने से सड़कों पर मलबा जमा हो गया।	सुधार कार्य पूरा कर लिया गया है और मध्य भाग में एहतियाती बैरिकेडिंग लगाकर यातायात बहाल कर दिया गया है।
	27	एनएच-66 (पुराना एनएच-17) के वलानचेरी बाईपास के आरंभ से कप्पिरिक्कड़ खंड तक, डिजाइन चैनेज 298+500 (पहुंच-मार्ग किमी	आरई की दीवार ढह गई	संविदाकार और स्वतंत्र इंजीनियर फर्म को वर्तमान/भविष्य की बोली प्रक्रिया में 1 महीने की अवधि के लिए या विशेषज्ञ समिति

राज्य	क्र. सं.	परियोजना/खंड का नाम	प्रमुख क्षति/त्रुटियों का विवरण	कृत कार्रवाई
		304.250) से डिजाइन चैनेज 335+850 (पहुंच-मार्ग किमी 349.260) तक छह लेन का निर्माण।		द्वारा जांच पूरी होने तक, जो भी बाद में हो, भाग लेने से प्रतिबंधित किया जाएगा।
मध्य प्रदेश	28	एनएच 543 का बालाघाट-गोंदिया खंड	निर्माण अवधि के दौरान, अभूतपूर्व वर्षा के कारण पानी के प्रवेश से, शोल्डर और ऊंचे तटबंध ढह गए, जिससे फुटपाथ की परतों में स्पष्ट खामियां दिखाई देने लगीं।	संविदाकार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया; साथ ही, स्वतंत्र लेखा परीक्षक के माध्यम से अनुभाग का गुणवत्ता लेखापरीक्षण किया गया।
	29	एनएच-39 का झाँसी-खजुराहो (पैकेज-1) खंड	भारी बारिश के दौरान, पानी के प्रवेश के कारण आरओबी के चैनेज 61+100 (बाँई तरफ) पर आरई की दीवार टूट गई/ढह गई।	रियायतग्राही को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
	30	एनएच-347बीजी का तेजाजीनगर-बलवाड़ा खंड	निर्माण चरण के दौरान, किलोमीटर 32+630 पर निर्माणाधीन सुरंग के प्रवेश द्वार के शीर्ष पर अचानक मिट्टी के ढहने से 2 श्रमिकों की जान चली गई; प्रारंभिक अध्ययन/जांच से पता चला है कि डिजाइन में खामियों/अधूरे कार्यों के साथ-साथ भारी बारिश के कारण यह विफलता हुई है।	रियायतग्राही को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
	31	एनएच-3 का ग्वालियर शिवपुरी खंड	आरई की दीवार में उभार के कारण आरओबी के आरई की दीवार के ए-1 (बायीं तरफ) पैनल के 02-03 पैनल (किमी 109+900 पर) गिर गया।	संविदाकार को जोखिम एवं लागत संबंधी सूचना जारी कर दी गई है। सुधार कार्य प्रगति पर है।
महाराष्ट्र	32	एनएच-63 का उदगीर-रवि-देगलूर खंड	कुछ छोटे पुलों के अग्रभाग बह गए; पुल की रिटर्न वाल और घिसावट वाली सतह क्षतिग्रस्त	अस्थायी मरम्मत कार्य पूरा हो गया है। यातायात सुचारू रूप से चल रहा है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना/खंड का नाम	प्रमुख क्षति/त्रुटियों का विवरण	कृत कार्रवाई
			हो गई।	
	33	उस्माननगर से कुंद्राल (एनएच-161ए)	बाढ़ के कारण सड़क के बाएँ और दाएँ किनारे की मिट्टी और सबग्रेड का किनारा बह गया। भारी बाढ़ के कारण जलभराव से मौजूदा क्रॉस ड्रेनेज सिस्टम और सड़क की लंबाई बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।	अस्थायी मरम्मत कार्य पूरा हो गया है। यातायात सुचारू रूप से चल रहा है।
	34	एनएच 752झ पर फुलसावंगी से माहुर खंड का घाट भाग	घाट क्षेत्र में भूस्खलन। सड़क मार्ग में गंभीर कटाव देखा गया। मौजूदा एचपीसी (हाई-पावर सर्किट) को नुकसान पहुंचा है।	अस्थायी मरम्मत कार्य पूरा हो गया है।
	35	एनएच-50 पर तिरुका पुल	भारी बाढ़ के कारण मौजूदा छोटा पुल पानी में डूब गया। उदगीर की ओर जाने वाले छोटे पुल की अप्रोच रोड की मिट्टी और सबग्रेड तथा साइड शोल्डर बाढ़ के कारण बह गए हैं। छोटे पुल की रेलिंग और पुल की वियरिंग कोर्स भी बाढ़ के कारण बह गई हैं।	मौजूदा पुनर्व्यवस्थापन खंड। आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा हो चुका है।
	36	अहमदनगर बाईपास के अंत से खरावंडी कासर तक एनएच-61 का पुन:स्थापन और उन्नयन (खंड 232+000 से 284+000 तक)	करंजी घाट खंड में भूस्खलन; विभिन्न पुलों और पुलियों पर सड़क के तटबंधों को पूर्णतः क्षति, सड़क के किनारे के हिस्सों को गंभीर क्षति और अनेक गड्ढे बन गए हैं।	अस्थायी मरम्मत कार्य पूरा हो गया है। यातायात सुचारू रूप से चल रहा है।
	37	एनएच-160ए के किलोमीटर 137,000 से 147,000, 150,000 से 152,800,	जलभराव के कारण बीटी मार्ग बह गया है।	बाढ़ से हुए नुकसान की मरम्मत का कार्य स्वीकृत हो गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना/खंड का नाम	प्रमुख क्षति/त्रुटियों का विवरण	कृत कार्रवाई
		156,000 से 160,000 और 211,600 से 217,700 तक		
	38	बुलढाणा खामगांव (एनएच-753ई)	नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित छोटे पुल का एक खंभा क्षतिग्रस्त हो गया है; साथ ही मौजूदा खंभों में उभार भी आ गया है।	मरम्मत कार्य रखरखाव करने वाले संविदाकार के माध्यम से किया जाएगा।
	39	महाड से रायगढ़ किले तक जाने वाली एनएच-166एफ की सड़क	भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ और सड़कों पर गड्ढे दिखाई दिए।	बाढ़ से हुए नुकसान की मरम्मत का कार्य स्वीकृत हो गया है।
नागालैंड	40	कोहिमा और माओ के बीच एनएच-02 के खंड 191.980 किमी से 192.060 किमी (फेसामा गांव के निकट) तक।	भूस्खलन क्षेत्र सक्रिय हो गया; 110-150 मीटर की लंबाई में लगभग 22 मीटर तक धंस गया।	क्षतिग्रस्त सड़क के हिस्से की मरम्मत रखरखाव अनुबंध के माध्यम से की गई।
पंजाब	41	जालंधर - पठानकोट/ जम्मू-कश्मीर सीमा का एनएच-44 खंड	रणजीत सागर बांध और माधोपुर बैराज से बाढ़ के पानी के अत्यधिक बहाव के कारण रावी नदी पर बना प्रमुख पुल क्षतिग्रस्त हो गया है।	यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। स्थायी जीर्णोद्धार कार्य जारी है।
राजस्थान	42	अमृतसर-जामनगर आर्थिक गलियारे के एक भाग के रूप में एनएच-754के के संगारिया (चौटाला के निकट)-रसीसर (बीकानेर के निकट) खंड के किमी 28+70 से किमी 53+0 तक 6-लेन पहुंच-नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग का निर्माण।	कुछ स्थानों पर सड़क की गुणवत्ता और बंदोबस्त में कमियां देखी गईं।	(i) संविदाकार पर 50.00 लाख रुपये का हर्जाना लगाया गया। (ii) प्राधिकरण इंजीनियर टीम के दो प्रमुख कर्मियों को खराब पर्यवेक्षण के कारण बर्खास्त कर दिया गया।
उत्तराखंड	43	लिमचिगाड पुल (एनएच-34)	पुल ढह गया	100 फीट लंबा बेली ब्रिज शुरू किया गया।
	44	कलगाडी ब्रिज, किमी 238, एनएच-309 का रामनगर-पौड़ी खंड	पुल ढह गया	45 मीटर लंबा बेली ब्रिज स्थापित किया गया

राज्य	क्र. सं.	परियोजना/खंड का नाम	प्रमुख क्षति/त्रुटियों का विवरण	कृत कार्रवाई
	45	सुराईथोटा-मलारी रोड (एनएच-107बी) के किमी 41.050 पर तमक पुल	पुल ढह गया	अस्थायी मार्ग का निर्माण किया गया।
	46	जोशीमठ-मलारी रोड (एनएच-107बी) पर 52.75 किलोमीटर पर स्थित पांगती बेली पुल	पुल ढह गया	नए पुल का निर्माण कार्य पहले से ही चल रहा है।
	47	रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड (एनएच-107)	घाटी की ओर भारी वर्षा और नदी के कटाव के कारण किलोमीटर 1.5 पर 500 मीटर और किलोमीटर 35.99 पर 500 मीटर सड़क धंस गई है।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है। किलोमीटर 35.99 पर भूस्खलन सुधार कार्य निष्पादित किया गया है। किलोमीटर 1.5 पर भूस्खलन सुधार कार्य के लिए डीपीआर तैयार किया जा रहा है।
	48	धराली (किमी 19.00 से किमी 19.400), हर्षिल (किमी 23.4 से किमी 24.00), सोनगढ़ (किमी 46.850), बाल्कंदर (46.200 किमी), दबरानी (किमी 48.050), लिमचीगाड (किमी 53.5), एनएच-34 के पापड़गाड़ (किमी 67.00), भटवारी (किमी 69.100), मनेरी (किमी 87.00)	सड़क धंस रही है, बह गई है	अस्थायी मरम्मत का कार्य पूर्ण हो गया है। स्थायी मरम्मत का कार्य जारी है।
	49	एनएच-707ए का जीवन आश्रम (किमी 139)	150 मीटर सड़क बह गई	वैकल्पिक सड़क के निर्माण के माध्यम से अस्थायी बहाली का कार्य पूर्ण हो गया है। भूस्खलन सुधार कार्य के लिए डीपीआर तैयार

राज्य	क्र. सं.	परियोजना/खंड का नाम	प्रमुख क्षति/त्रुटियों का विवरण	कृत कार्रवाई
				किया जा रहा है।
पश्चिम बंगाल	50	एनएच-12 का बरहामपुर-फरक्का खंड	गड्ढे, दरारें, दरारें, किनारों का टूटना आदि।	बरहामपुर बाईपास के रखरखाव दायित्व के उल्लंघन के लिए रियायतग्राही पर 14.693 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।
	51	सेवोके - एनएच-10 का रंगपो खंड	सड़क का धंसना और भूस्खलन	भूस्खलन की घटना के बाद, संविदाकार को निर्देश दिया गया कि वह तुरंत क्षतिग्रस्त स्थल पर आवश्यक मशीनरी जुटाए और आवश्यक मरम्मत कार्य करे।

*****